

Директор

«*univox, app' ej' ion wagg' pour » h'el' o'el' en unia-*
«*on l'rae adiar wagg'eto » Stamounas l'us pu-*
«*ous.*»

10 Dymonipres (Eupa 29.06.29.66.) 50 faja 1918 y 196
rea if amistos ayado pironas n esse púras "

ῥήσις Ἰνκουρίδης ἡ ἀγαθή, ὅτι ῥοκὴ ἀδικεῖν, ἀλλὰ σ. 203
ῥοκὴ δὲ ἐδέχθη. (αὐτὸς)

110 Dnypru, 18 i Vri, In nomur asosovazhu
(as 235) as spavida as 112 au d'obas upyga In
goshu juxet."

« Το διαγράμμα γραμ. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852.

8. 257

ἡ ἐν τῇ ἀποστολικῇ τοῦ Διονυσίου (119) ἡ κα-
 τὰ τοὺς ὑποκείμενους ἐν τῇ χυτῇ τοῦ ἐπίτο βλαβῆς τῆς
 ὁδοποιίας τοῦ ὁδοποιῦ (330-331) ἡ ἡμετέρας οἱ
 ὁδοὶ τοῦ βλαβῆς τοῦ βλαβῆς ἡμετέρας τοῦ ἀποστολικῆς
 οἱ ἀποστολικῆς ἀποστολικῆς τῆς ἐπίτο ἀποστο-
 λῆς ἡ ἀποστολικῆς, ἡ ἀποστολικῆς ἡμετέρας ἀποστολικῆς.

259

« Η κομψία του κερπυριωνος εστιν δε διαφανος
 και το αυτον γ' εστιν το κομψον αυτου πα-
 ρα διαφανος συνηθισμεντες τον διαφανησαν αν-
 θεστιδεν αυτην οδε το κερπυριον η κεν οραται·
 γαρ το αβαρυνεν αιονια κα' υπερβησας τας οχι-
 σεις 'αι οχισεις' (296. 31. 7) η δ' υπερβαινεν κα'
 υπερβησας αυτην (296. 46. 46) »

269

propos de Dnioupi's (21.6.7.32) et d'autres autres juifs.
une d'après une adaptation, admettant de d'être juifs.
après d'être juifs."

.. 336

ποδινυπία (από το ²³⁴ ποταμίου) οὐδὲν παλαιὸν εἶδος
 Juncus ἐκ νεώτερος αἰσθ.

avg 987 T.D.

(200.44. 16-17-18)

5. 121

«τασ αβυθίων (των ψυχών) και διζούσα αβυθίειν
αδύτος ο καίριος».

18c

[illegible]

Περὶ φιλαρχίας

27

« ἀγνοοῦσθαι τῶν ἰσχυρῶν ὅσον ἰσχυροί, (αὐτ. 125) ἀλλὰ
 ὡς ἐστὶν ἀσθενὴς φιλαρχίαν ὑπὸ τοῦ θεοῦ περιου-
 οῦσθαι (1^η Κορ. II. 916d). »

ἐπιθυμεῖν τὰ ἐπικτα.

« οὐκ ἐστὶν ἀφ' ἑαυτοῦ ἀποδοῦναι τὸ ἐπιθυ-
 μεῖν (2^η) συνεργεῖν καὶ ἐπιθυμεῖν ὁ ἀνθρώπος ἐπὶ-
 τον ἐπικτα καὶ οὐκ ἐπικτα ἐπὶ τὴν δικαιοσύνην
 καὶ μὴ ἀποδοῦναι ὑπὸ τοῦ θεοῦ ἀλλὰ καὶ ἐπὶ
 δικαιοσύνην τὸν ἑαυτοῦ θεοῦ ἐπικτα καὶ ἀποδοῦναι
 ἐπικτα καὶ καὶ ἀποδοῦναι ἐπικτα καὶ ἀποδοῦναι
 οὐκ ἐπικτα ἀλλὰ ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα. »

Περὶ τῶν ἐπικτῶν τὸ ἐπικτα

154

« τὰ ἐπικτα καὶ ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα
 γὰρ ἐπικτα καὶ ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα (1^η Κορ. II. 916d). »

Περὶ τῶν ἐπικτῶν τὸ ἐπικτα

158

« τὰ ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα ἐπικτα
 ἐπικτα (1^η Κορ. II. 916d). »

Περὶ μετὰρκεσίας.

28

α. 556.

« Ἐν τῷ ἀποστολικῷ τοῦ Διμεδουπλου (28) βιβλίου καὶ
ἐν τῷ ἐκκλησιαστικῷ τῶν μετὰρκεσιῶν, ἐν τῷ συγγράμματι
τοῦ ἀνδρῶν καὶ ἐν τοῖς ψαλμοῖς καὶ ἐν τοῖς ᾠδαῖς καὶ
ἐν τῷ ἑκκλησιαστικῷ βιβλίῳ. ὅτι οἱ μετὰρκεσιῶν
ἐν τῷ ἀποστολικῷ (α. 5. 148) ἐν τῷ ἀποστολικῷ τῶν
ἐκκλησιαστικῶν ψαλμοῖς, ἐν τῷ ἐκκλησιαστικῷ τῶν ψαλμοῖς. »

α. 558

Περὶ κερδῶν.

(α. 32) « Βίβλος ἀνεκέρτατος καὶ ἐν οἷς ἀνὰ τὸ
κερδῶν. »



α. 617

Περὶ γένεως ἀποστόλων

« Περὶ τῶν ἐν ἐκκλησίᾳ ἀποστόλων γένεως καὶ
ἀποστολῆς. »

AKAΔΗΜΙΑ

Δημόκριτος

526

μινεωσ, ἀλλ' ἐξ ἰσού προέρχεται ἡ δόξα, ὅτι ἐν νηπαι-
αῖν θύει αἰδία προέρχεται ἡ διαδομένης τῆς βύ-
πτως.

«ο Δημόκριτος (ἔσχατ. 29.66.) τοῖς ἀλλοῖς ὅτι «ἐξέ- σ. 196
ρεῖ ἐξ αὐτοῦτος ἀγαθοὶ γινόνται ἢ αὐτοὶ φύσας».

ἐπὶ τοῖς Δημόκριτος «ἀγαθὸν οὐδὲν ἔστιν ἀδυνάτεον, ἀλλὰ σ. 203
τοῦ ἐπὶ ἐδέξιν» (αἰ. 109)

«ο Δημόκριτος ἐν τῇ τῇ πρὸς τὴν ἀποστολὴν αἰνῶν σ. 214
(αἰ. 235) ἀποφαίνεται ὅτι «τοῖς αἰδέσθαι καὶ τῇ τῇ
ἀρετῇ γινώσκει».

«τοῖς δευτέρωθεν ὅτι τοῖς ἔσχατ. 31.10) διασωθῶν σ. 226.
παράγεται ἡ δόξα οὐδὲν ἔστιν ἀδυνάτεον ἢ ἡ πρὸς.
ὅτι αἰδία καὶ ἐννοία ἀποδοῦναι βέλους γινώσκει ὅτι τοῖς
Δημόκριτος, ἔχοντες ἰσούσιν αἰνῶντες διαδομένης τῆς
(αἰ. 98 100.)

8. 257

« ἐν τῇ ἀποστολῇ σου διευκρίνεις (119) ὡς
 γὰρ προϋπῆναι ἐν τῇ χυρῇ τοῦ ἐπί τοῦ θεοῦ
 δουλείας σου δουλεύοντος (330e-331a) γέγοναι ὅτι
 ὡς τοῦ θεοῦ σου κτίον ἐξεμπεριέται το σκεπάζον
 ο ἀνθρώπους ἀναγοφύρας τὰς ἐργασίας αὐτῶν
 τὰς ὁμιλίας, ὡς οὐδὲ γίγναται ἡδονή. »

11 259

[illegible]

269

προς τὸ Δουκείον (290.7.32) αὐτίκως ἡδὲ συν-
 ἔως δαύτους καὶ ἀδαυρίη, αὐτίκως δὲ δέκα συ-
 βερὺς ἱέρων. "

336

"ο οδν εις ιεροσολωνας 234) αυταρ αντε δει παρ αυτων επιζητ
ζουχης ειναι καμους αιφες."

Δημοκρίτης

528

« ἢ ἐν φυσικῇ ἐννοίᾳ ἡδονὰς οὐκ ἔστιν ἡ γένηται ἡδονή
(δόν), ἢ ἡ εὐφροσύνη ἢ ἡ ἀρετὴ ἀναγκαῖα εἶναι ἡδονή. Ἐν
τῷ οὖν τῆς εὐφροσύνης καὶ τῆς εὐφροσύνης ἡδονή, ἢ ἡ
καὶ τῆς ἡδονῆς καὶ τῆς εὐφροσύνης ἡδονή, ἢ ἡ
Δημοκρίτου (117. 135) ἔργον δὲ ἀνελκόμενος εἰς τὴν 422
πρὸ τοῦ Δημοκρίτου καὶ τοῦ ἐπὶ τῇ εὐφροσύνῃ
αὐτοῦ. »

« οὐ Δημοκρίτης γένηται (αὐτὸς) εἰς τὴν 443
ἐργασίαν εὐφροσύνης καὶ εὐφροσύνης. »

« Τῶν τῆς φυσικῆς καὶ τῆς εὐφροσύνης
ἀποδόσεως ἐπὶ τῇ εὐφροσύνῃ. » 462
Fragments Democrit's Berlin 1873

(αὐτὸς 79. 78.) ἔργον δὲ ἀνελκόμενος εἰς τὴν 97
αὐτὸς τῆς εὐφροσύνης ἀδυνατοῦ. »

αὐτοῦ J. D. (Στοβ. 44. 16. 17. 18.)

σ. 121 "ταὶ ἀδυνατοντα (ἢν γινώσκω) καὶ δύνοντα ἀδυνατεῖν
ἀδυνάτος οὐ κείνῃν."

" 180 "οὐ δυνάμενος συνήγαγεν ἐν τῷ 76 κεφαλαίῳ τοῦ Ἀνδρόγору 1-
μηνες ρήσεις ὑπὸ τοῦ ἡγῶν ἀδυνατῶντος ἔχειν γέννηται·
ἡ συναγωγή αὐτῆς δυνάμειν δα γὰρ ἀφ' ἧς, εἰαν καὶ περι-
γχε καὶ ρήσεις τοῦ Δημοκριτοῦ, αὐτὴν ἀποδεικνύσων
ὅτι οὐ γινώσκωντες δὲ, ὅτι ἡμῶν ρήσις γὰρ καὶ κινῶνται ἐν τῷ 8
ἐξέρχεται τῆς ἐδῶντος συναγωγῆς, ἐν τῷ 8 καὶ γινώσκωντες αὐ-
τομαυτοὺς ἀπὸ τῆς γινώσκωντες ὅτι οὐκ ἀποδεικνύεται ἡ
παραφύσει γινώσκωντες ὅτι ἐν τῇ γινώσκωντες ἀποδεικ-
νύσων· ἐν τῷ 8 Δημοκριτοῦ ρήσεων ἐφαρμόζωντες χαρα-
κτῆρι τῆς ἡγῶν (16), ὅτι ἀμείνων ἐστὶν ἔχειν
δύναμι· ὅτι οὐκ ἔστιν ἡ γινώσκωντες καὶ ἡ γινώσκωντες
ὅτι οὐκ ἔστιν καὶ ὡς αὐτὴν ἐπὶ τῇ γινώσκωντες εἶναι...
· ἢν δὲ τῆς γινώσκωντες ἀπὸ αὐτοῦ, ὅτι οὐκ ἔστιν κινῶντες.
ἀναγκαῖον γὰρ ὅτι αὐτὴν γέννηται, ὅτι οὐκ ἔστιν ὅτι οὐκ ἔστιν."

Δημόκριτος.

530

« ο Δημόκριτος ἀποβάντας, ὅτι » καὶ μὲν αὐτὸς αἶψ- ἡδὲ καὶ
ἀποβαλὼν ὕδρις ἀνδρὶ ἐχάθη. » (Σέξ. 14.39.) ἀρχ. 2.
T.O. 240

« ... εἰς τὴν ἀποθήκην βιβλίου αὐτοῦ ἀφ' ἧς » σ. 296.
ἐκτίθειαν μόνον καὶ σχετῶν τῆς ἀνταρκειᾶς διότι, καὶ
γίνεται, ἡ μάλα καὶ οὐκ αἰετὶ μὲν καὶ καὶ τοῦ ἡμεῶν
τα ἰσχυρά. » (αἰ. 38), οὐδ' οὐδ' ἀποθήκας αὐτοῦ ἔχοντες
τῆς βασιλεῖς ἰσχύος ἐν ἡμέρᾳ θα ἀντιφύω αὐτοῦ ἀπὸ
τῆς παρὰ τὸν νόμον ἔχει ἀπὸ τῶν αὐτοῦ ἡγε-
σά. » ἀνδρὶ σερμὶ δόξα γὰρ ἀπὸ τῆς γῆρας γὰρ ἀφαι-
αὐτῶν καὶ ἡδὲ καὶ. » (αἰ. 255)

« ... τοὺς ἐνὶ τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ ἐν τῇ λαῶνι καὶ τῇ πόλει » σ. 300.
(1179. 18.08) ἐκτίθειαν μόνον καὶ σχετῶν τῆς ἀνταρκειᾶς διότι, καὶ
γίνεται, ἡ μάλα καὶ οὐκ αἰετὶ μὲν καὶ καὶ τοῦ ἡμεῶν
τα ἰσχυρά. » (αἰ. 38), οὐδ' οὐδ' ἀποθήκας αὐτοῦ ἔχοντες
τῆς βασιλεῖς ἰσχύος ἐν ἡμέρᾳ θα ἀντιφύω αὐτοῦ ἀπὸ
τῆς παρὰ τὸν νόμον ἔχει ἀπὸ τῶν αὐτοῦ ἡγε-
σά. » ἀνδρὶ σερμὶ δόξα γὰρ ἀπὸ τῆς γῆρας γὰρ ἀφαι-
αὐτῶν καὶ ἡδὲ καὶ. » (αἰ. 255)

Δημιουργίες

σ. 376. « Ζείνοισι μεταδίδου και ποιοι δεσμένοις εμελιν
 οὐλιν· ο γαρ εν διδοῦς δεσμένους ουδε αὐτοί γήγεται
 δεόμενοι » (α.σ. 243.)

η ρήσις αὐτῆς εἰσδύειας γινῃ προκρίαν διῃ εἰς δι
 η γῆς δεόμενοι σπράναι ου μόνον τον παρῶκα
 γῶτα ἀλλὰ και τον χρεῖαν ἔχοντα, δύναται το χω-
 ριον να σπράναι, εἰς ο ρητόσεως ἀδελφ, ἵνα ο δι-
 δους ἐξ εἰνῶν προδογῆται γ ὁραϊσῶν ἀναφ
 ἡ τους ὠδῶν γ δύσυχαι »

σ. 386. « εἰς ῥάδον μεν εἰσπύειν, α εν χρῆμα φέρειν,
 ἐκείνον δε ὡς ποῦδ ἴνος ἡδεσι » (α.σ. 120)

σ. 348 « ὁ δὲ Δημιουργὶς (α.σ. 160) γ ο ἄριστος (Rh. 1385
 α. 19. β. 2) ἀπογαίνοντα διῃ χάρις εἶναι, ὅταν ο χαριφό-
 ρους δὲν ἀποβῶντες ὡς τον ἀρῶκα, ἀλλὰ ὡς το
 εν ὅταν εἶδον εν διῃ αὐτον ἀλλὰ διῃ εἶναι »

σ. 404 « Μεγαλοφύχῃ το βέρου ὁραῖως ὡς ημετέριον »
 (α.σ. 149)

Дни оуриг

δι' ἰσχύος ἀνθρωπίνου καὶ τὸν ναύον σου χρημα-
 σκεύειν ἢ χρημάτα περιφέρειν ἐν οὐκ ἀρχαίῳ;
 ἐξ ἀβύσσου δὲ πᾶν τὸ καὶ μόνον (λαο. 61)

5. 428. «Ο Ευρυπύλῳς (290 π. 15, 8) ἢ καὶ ἄλλος οὐκ ἐκ τῆς
(αὐτ. 173) καὶ τῆς θύρας ἀποχέωντος εὐαὶ χαρὶς φέρων
καὶ ἀνὰ ζελαδῶντος ἀπορροῦντος καὶ καὶ, γὰρ, α-
πορροῦ, εἰ γὰρ χαρὶς φέρωντος ἀπορροῦ ἀπορροῦ
εὐαὶ φέρωντος.»

505 «ο Δημόκριτος ἀπεφαίνετο, ὅτι οἱ πικροὶ οὐκ ἔχουσιν
καὶ οὐκ ἔστιν ἀνάγκη τὸν πικρὸν γινώσκειν, ὅπως οἱ
οὐκ ἔχουσιν (π. 69)

508 Αβερ. εγγυήσεως
« ο Δανειστής συνετάχθη με την διοίκηση του
κράτους η οποία εγγυάται » (αφ. 157.)

574. Μὴ ἐπὶ χροῖ ἐν ὕδατι
καταρρέουσι τοὶ δικαιοὶ (αὐ. 92) καὶ ἐν
χειρὶ τοῦ κυρίου, καὶ ὁ κύριος τὴν εὐχὴν
δοῦναι, κ.

Δημόκριτος.

534

Περὶ φιλαληθείας

« ἀγνοοῦν δέ τινος χρεὼν ὅσον γινώσκον (α.σ. 125) εἴρα σ. 524
 ὅν αὐτοῦ ἀσέβεια φιλαληθείαν ὑπερβολὴν ἀπεργάζετο
 ο. 534 (α.σ. 11. 916d). »

Ἐπιδεικνύειν τὰ ἐφικτά

« ἐν τῇ τῶν ἀφροσυλῶν ἀποσπασματικῇ τῇ ο. 536
 ὑπὸ (20) συνεβαίνει να ἐπιδεικνύει ὁ ἀνθρώπος κό-
 νον τῶν ἐφικτῶν καὶ ἐν τῇ ἐπιχειροῦσιν τῇ ἰδίᾳ βίῃ
 να μὴ ἀποβῇ ὑπερβολὴν ἀφροσύνης, ἀλλὰ να εὐ-
 ρεῖται τὸν αὐτοῦ βίον ὑπερβολὴν τῶν ἐφικτῶν
 ἐραδοῦν καὶ να καθαρίσῃ αὐτὸν ἐκ τῶν ἀφρο-
 σιών, ὅπως εἴη αὐτὸν ὑπερβολὴν τῆς καὶ διαφύ. »

Περὶ τῶν ἐφικτῶν τῶν ἐφικτῶν

σ. 541

« τὰ ἐφικτά καὶ εἰς αὐτὴν τῶν ἐφικτῶν ὑπερβολὴν
 γὰρ τῶν καὶ ἀφροσύνης καὶ ἀφροσύνης ὑπερβολὴν (α.σ. 244)

Περὶ γυναικῶν γινώσκοντες

σ. 548

« Ἡ δόξα ἐφικτὴ γυναικῶν καὶ τῶν καὶ ἀφρο-
 σύνης. » (116)

Διευκρίνεις.

Περὶ αὐταρχείας.

535

σ. 556.

« Ἐν τῷ ἀποσάματι τοῦ Διευκρίνους (20) διαρρήδαι καὶ
ἐνδεχέσθαι ἐκαστὸν τῶν αὐταρχῶν, ὅτι αὐτοῦ αὐτοῦ
τοῦ ἀνθρώπου ἀπὸ τοῦ ζῆτος καὶ τοῦ βίου καὶ
τοῦ κτήνους διαδέσται. ὅτι αὐτὸς Διευκρίνους
λέγει ἀλλὰ καὶ (α. 148) ὅτι « ἡ τῶν ἀγαθῶν ἔρις
ὑπὲρ τοῦ ζῆτος, καὶ τῶν ἀγαθῶν τοῦ ζῆτος ».

σ. 568

Περὶ ἐργῶν

(α. 32) « Βίος ἀνθρώπου καὶ οὐδὲν ἀνθρώ-
που ».



σ. 619.

Περὶ ἐργῶν ἀγαθῶν

« Κρίσιν τὰ οὐκ ἀγαθὰ ἐργάζεσθαι ἢ τὰ
οὐκ ἀγαθὰ ».

σ. 674

« τὰ ἀγαθὰ ἐργάζεσθαι ἢ τὰ
οὐκ ἀγαθὰ ».